शरद शुक्ला

पर्यायवाची

नोट :- समीक्षा अधिकारी के दृष्टिकोण से अतिमहत्वपूर्ण :-

परिभाषा :- भाषा में जिन शब्दों का अर्थ समान होता है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहा जाता है। इस प्रकार के शब्दों का अर्थ समान होते हुए भी सूक्ष्म विविधता होती है। यानि विभिन्न परिस्थितियाँ, घटनाएँ, विशेषताएँ, प्रयोग आदि के आधार पर भिन्न-2 नाम रखे जाते हैं, जो एक दूसरे का पर्याय बन जाते हैं।

जैसे :- 'जल' से तात्पर्य है बिल्कुल स्वच्छ और पवित्र; परन्तु 'नीर' वह जल है जो देवताओं पर चढ़ाने के बाद नीचे गिरा हुआ होता है। 'पानी' का अर्थ - सामान्य जल, जो गंदा या स्वच्छ दोनों हो सकता है।

1- कुछ प्रमुख देवताओं (देवियों) के पर्यायवाची :-

इन्द्र :- पुरन्दर, शक्र, वासव, सुरेश, देवराज, शचीपति, मघवा, मघेन्द्र सुरपति, देवेन्द्र।

ईश्वर :- ईश, जगदीश, परमेश्वर, परमात्मा, भगवान्, प्रभु, सच्चिदानन्द।

कामदेव :- अनंग, रतिपति, काम, मदन, मनोज, मन्मथ, अतनु, कंदर्प, पुष्पधन्वा।

कार्तिकेय :- महासेन, शरजन्मा, षडानन, स्कंद, गुह।

कृष्ण :- माधव, मुरारि, वासुदेव, कन्हैया, श्याम, नंदनंदन, श्यामसुन्दर, गोपाल, कसांरि, मुरलीधर।

अर्जुन :- पार्थ, धनंजय, भारत, गडाकेश, गांडीवधारी etc.।

परशुराम :- भृगुनंदन, भृगुसुत, भार्गव, परशुधर etc.।

P.T.O.

लक्ष्मी :- सिंधुजा, पद्मा, इन्दिरा, हरिप्रिया etc.।

गणेश :- लम्बोदर, विनायक, द्वैमातुर, गणाधिप, एकदन्त, गजानन, विघ्नराज, गणपति, हेरम्ब ।

चन्द्रमा :- चाँद, सुधाकर, निशाकर, विधु, हिमांशु, सुधांशु, शशि, राकेश, इन्दु, मयंक, मृगांक, शशांक etc.।

चाँदनी :- चान्द्रिका, ज्योत्स्ना, चन्द्रप्रभा, कौमुदी ।

दुर्गा :- चाण्डिका, वागीश्वरी, घाली, कुमारी, कल्याणी, अम्बा, आम्बिका, अम्बालिका, भवानी etc.।

पार्वती :- उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शिवा, भवानी, रुद्राणी, शर्वाणी etc.।

ब्रह्मा :- आत्मभू, स्वयंभू, चतुरानन, सृष्टिकर्ता, पितामह, लोकेश, विधि, विधाता, हिरण्यगर्भ etc.।

विष्णु :- नारायण, जनार्दन, चक्रपाणि, विश्वभंर, दामोदर, माधव, केशव, गोविन्द, पीताम्बर etc.।

वायु :- हवा, समीर, समीरन, पवन, मारुत, वात ।

महादेव :- शम्भु, पशुपति, भूतेश, शिव, शंकर, चन्द्रशेखर, भव, गिरीश, हर, भोला, पार्वति etc.।

यमराज :- प्रेतराट्, धर्मराज, पितृपति, कृतान्त, शमन, यम, काल, दण्डधर etc.।

सरस्वती :- भाषा, भारती, गिरा, वाक्, वाणी, शारदा, वीणापाणी, गी, ब्राह्मी ।

सूर्य :- दिनकर, दिवाकर, रवि, भास्कर, भानु, प्रभाकर, विभाकर, मार्तण्ड, सविता, अंशुमाली etc.।
आदित्य

शरद शुक्ला

2- संबंध से संबंधित पर्यायवाची :-

पति :- आर्य, ईश, स्वामी, साईं, खाविन्द, प्राणेश, पिया, सैंया, भरतार etc.।

पुत्र :- आत्मज, कुमार, बेटा, तनय, सुत, नंदन, पूत, लड़का etc.।

पुत्री :- आत्मजा, कुमारी, कन्या, तनया, बेटी, तनुजा, दुहिता, लाडली etc.।

पत्नी :- भार्या, दारा, कलत, वधू, जाया, प्रिया, वल्लभा, अर्धांगिनी, प्रियतमा, स्त्री etc.।

पिता :- तात, जनक, बाप, जन्मदाता, बापू etc.।

माता :- जननी, माँ, मातृ, अम्मा, मम्मी, अम्बा etc.।

3- प्राकृति से संबंधित :-

आकाश :- ख, नभ, गगन, अम्बर, व्योम, आसमान, अनन्त, द्युलोक, तारापथ, अभ्र etc.।

अरण्य :- बिपिन, कानन, वन, जंगल, अटवी, कांतार etc.।

गंगा :- विष्णुपदी, जाह्नवी, भागीरथी, त्रिपथगा, सुरसरी, देवनदी, ध्रुवनन्दा etc.।

जल :- नीर, तोय, सलिल, अंबु, पानी, जीवन, वारि, पय।

तालाब :- सर, सरोवर, तड़ाग, पुष्कर, पद्माकर, जलाशय।

नदी :- सरिता, तटिनी, आपगा, निम्नगा, तरंगिणी, निर्झरिणी, कूलंकषा etc.।

शरद शुक्ला

P.T.O.

पहाड़ :- महीधर, पर्वत, गिरि, अचल, भूधर, शैल।

पत्थर :- अश्म, पाषाण, प्रस्तर, उपल, शिला etc।

पृथ्वी :- भू, धरा, भूमि, वसुधा, वसुंधरा, धरती, मही etc।

बादल :- अभ्र, मेघ, वारिवाह, बलाहक, धराधर, जलधर, वारिद, घन, जीमूत, जलद, etc।

सागर :- समुद्र, समंदर, जलधि, रत्नाकर, उदधि, वारिधि, सिंधु, पारावार etc.।

3- पशु | पक्षी | जानवरों के अतिमहत्वपूर्ण पर्यायवाची :-

अश्व :- घोड़ा, घटक, तुरंग, सैंधव, हय, बाजि etc.।

कोयल :- कोकिल, काकली, पिक, वनप्रिया।

गदहा :- खर, धूसर, गर्दभ, गधा, वैशाखनंदन, रासभ etc.।

गरुड़ :- तार्क्ष्य, वैनतेय, खगेश्वर, नागान्तक, विष्णुरथ, सुपर्ण, पन्नगाशन etc.।

गीदड़ :- शृगाल, शिवा, वञ्चक, जम्बुक, सियार etc.।

चिड़ियाँ :- खग, विहग, पक्षी, पंछी, चटका, द्विज, शकुनि, शकुन्त, खेचर etc.।

भौंरा :- अलि, चंचरीक, भ्रमर, द्विरेफ, मधुप, भृंग, मधुकर etc.।

मछली :- मत्स्य, झख, मीन, सफरी, जलजीवन etc.।

मेढ़क :- भेक, मण्डूक, वर्षाभू, शालूर, दादुर etc.।

मोर :- मयूर, मेहप्रिय, मेहानृतक, मदनर्तक, पक्षिराज etc.।

साँप :- भुजंग, सर्प, अहि, विषधर, व्याल, उरंग, चक्षुश्रवा, काकोदर, फणी etc.।

सिंह :- हरि, केसरी, पशुराज, गजेन्द्र, मृगेन्द्र, शार्दूल, व्याघ्र, महावीर, शेर etc.। शरद शुक्ला

शरद शुक्ला

हाथी :- गज, मतंग, नाग, दन्ती, कुंजर, हस्ती, पाणि, कर, हस्त।

हिरन :- मृग, सारंग, कुरंग, सुरभी।

ऊँट :- उष्ट्र, महाग्रीव, लम्बोष्ठ, क्रमेलक।

कबूतर :- कपोत, पारावत, रक्तलोचन, हारीत, परेवा etc.

4 :- विविध (अति महत्वपूर्ण)

असुर :- दैत्य, दानव, दनुज, इन्द्रारि, राक्षस, आशर, रात्रिचर etc.।

अमृत :- पीयूष, सुधा, अमिय, जीवनोदक, अमित, जीवन etc.।

अंधकार :- अँधेरा, ध्वान्त, तम, तिमिर।

अतिथि :- पाहुन, अभ्यागत, मेहमान, आगन्तुक etc.।

आँख :- नेत्र, नयन, लोचन, विलोचन, चक्षु, दृग, अक्षि, अंबक।

आम :- आम्र, रसाल, सहकार, अमृतफल, अतिसौरभ etc.।

कपड़ा :- वस्त्र, पट, वसन, अम्बर, चीर, अंशुक।

कमल :- पद्म, अरविन्द, नलिन, सरसिज, सरोज, राजीव, जलज, शतदल, पंकज, तामरस, अब्ज।

घर :- गेह, सदन, निकेतन, भवन, निलय, आलय etc.।

पुष्प :- फूल, कुसुम, सुमन, प्रसून, पुहुप etc.।

प्रकाश :- प्रभा, भा, कांति, आभा, ज्योति, द्युति etc.।

बिजली :- चंचला, चपला, दामिनी, विद्युत, सौदामिनी, क्षणप्रभा।

यमुना :- कालिन्दी, सूर्यतनया, जमुना, शमनस्वसा etc.।

राजा :- भूप, नृप, महीप, महीपति, नरेश, भूपति, राव, सम्राट।

रात :- निशा, रजनी, रैन, शर्वरी, रात्रि, यामिनी, विभावरी, तमी।

सुंदर :- रुचिर, चारु, लोल, ललित, मनोहर, सुहावन।

सोना :- कंचन, स्वर्ण, सुवर्ण, कनक, हाटक, हिरण्य।

P.T.O.

शरद शुक्ला

वृक्ष - पेड़, द्रुम, पादप, तरु, रुख, विटप etc.।

बन्दर - शाखामृग, मर्कट, कीश, हरि।

किरण - कर, मरीचि, मयूख, अंशु, रश्मि।

हिमालय - हिमपति, नगराज, शैलेन्द्र, नगपति, हिमाद्रि, गिरिराज, हेमागिरि etc.।

ब्राह्मण - विप्र, अग्रजन्मा, द्विज, महीसुर, महीदेव etc.।

ओस - तुषार, हिमकण, हिमसीकर, हिमबिन्दु, तुहिनकण।

ऋषि - मुनि, मनीषी, साधु, महात्मा, संत, मन्त्रद्रष्टा।

कुबेर - यक्षराज, धनद, धनाधिप, किन्नरेश, धनपति, धनेश, अलकेश, धनपाल, धनेश्वर, यक्षपति, श्रीद, राजराज।

मदिरा - आसव, सोम, मध्वासव, सुरा, वारुणी, हाला।

तलवार - असि, कृपाण, करवाल, चन्द्रहास, खड्ग, खंग।